(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में नये रेल-मार्गों का निर्माण करने के लिए कोई कार्य-योजना बनाई है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार मुरादाबाद-रामनगर रेल लाइन को मोहान औद्योगिक क्षेत्र तक बढ़ाने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस लाइन को मोहान तक जोड़ने से नेशनल कोर्बेट पार्क के लिए पर्यटकों को रेल सुविधा मिल पायेगी?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) देश के किसी भी हिस्से में नई लाइनों के निर्माण के लिए ऐसी कोई कार्य योजना नहीं है;

(ख) जी नहीं, संसाधनों की तंगी के कारण फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है;

(ग) जी हां;

रेल दुर्घटनायें

2013. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन महीने के दौरान देश में हुई रेल दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) विभिन्न दुर्घटनाओं में मृतक और घायल व्यक्तियों की संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) इन दुर्घनाओं के क्या कारण हैं और इस संबंध में की गयी कार्रवाई का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या व्यवस्थाएं की जा रही हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) मई से जुलाई 1997 के दौरान 119 दुर्घटनाएं हुई थीं जिसमें गाड़ियों को टक्कर संबंधी 7 गाड़ियों के पटरी से उतरने संबंधी 92 समपार पर दुर्घटना संबंधी 18 और गाड़ियों में आग लगने संबंधी 2 शामिल हैं।

(ख) इन दुर्घटनाओं में 52 व्यक्ति हताहत और 284 व्यक्ति जख्मी हुए थे।

(ग) और (घ) ये दुर्घनाएं मानवीय चूक, उपस्कर की खराबी, तोड़ फोड़ और आकस्मिक कारणों से हुई हैं। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे कुछ उपाय निम्नानुसार हैं:—

(i) ट्रंक मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण मुख्य लाइनों पर रेलपथ परिपथन के कार्य में तेजी लाई गई है।

(ii) दुर्घटना में मानवीय चूक के कारणों को न्यूनतम करने के लिए सिगनल सरकिटरी में आशोधन किया जा रहा है।

(iii) बम्बई उपनगरीय खंडों पर चलती गाड़ी के ड्राइवर को "खतरे के सिगनल" की अग्रिम चेतावनी देने के लिए सहायक चेतावनी प्रणाली शुरू की गई है।

(iv) रेलपथ अनुरक्षण के लिए टाई-टैम्पिंग और गिट्टी क्लिनिंग मशीनों के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि की गई है।

(v) रेलपथ ज्यामिति और रेलपथ की चालन विशिष्टताओं पर निगरानी रखने के लिए परिष्कृत रेलपथ अभिलेखी कारें, दोलन-लेखी कारें सुवाह्य एक्सेलेरोमीटरों का उत्तरोत्तर उपयोग किया जा रहा है।

(vi) कई डिपुओं में सवारी डिब्बों और मालडिब्बों के लिए अनुरक्षण सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है और अपग्रेडेशन किया गया है।

(vii) धुरों के कोल्ड ब्रेकेज के मामलों की रोकथाम के लिए धुरों में पड़ने वाली दरारों का पता लगाने के लिए नेमे ओवरहाल डिपुओं में पराश्रव्य परीक्षण उपस्कर लगाए गए हैं।

(viii) चौकीदार रहित समपारों पर सीटी बोर्डों/गति अवरोधकों और सड़क संकेतों की व्यवस्था की गई है और ड्राइवरों के लिए दृश्यता में सुधार किया गया है।

(ix) किस तरह से समपार सुरक्षित ढंग से पार किया जाए इसके लिए सड़क उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए आडियों विजुअल प्रचार-प्रसार अभियान लाए जाते हैं।

(x) यात्री गाड़ियों में ज्वलनशील और विस्फोटक सामग्री ले जाने से रोकने के लिए उपाय किए गए हैं।

(xi) ड्राइवरों के प्रशिक्षण में सिमुलेटरों के उपयोग सहित ड्राइवरों, गार्डों और गाड़ी परिचालन से संबंधित कर्मचारियों की प्रशिक्षण सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है।

(xii) निर्धारित अंतरालों पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं।

(xiii) गाड़ी परिचालन से संबंधित कर्मचारियों के कार्य निष्पादन की निरंतर निगरानी की जाती है और जिन कर्मचारियों में कमी पाई जाती है उन्हें त्वरित प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

(xiv) कर्मचारियों में संरक्षा जागरूकता जागृत करने के लिए आवधिक संरक्षा अभियान चलाए जाते हैं।

देहरादून और लखनऊ के बीच एक्सप्रेस गाड़ी चलाना

2014. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्वांहन के समय में देहरादून और लखनऊ के बीच एक्सप्रेस गाड़ी चलाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है जिससे कि यहां से पूर्वांचल तक यात्रा और सुविधाजनक हो जायेगी;

(ख) यदि हां, तो कब तक; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (ग) 4.8.97 से लखनऊ के रास्ते देहरादून-गोरखपुर एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन) चलाई गई है।

Doubling of Shornur-Mangalore line

2015. SHRI M.A. BABY:
SHIR J. CHITHARANJAN:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have taken up the doubling of the Shornur-Mangalore line;

(b) if so, the amount so far allocated and spent for this project;

(c) the amount required, as per the present estimate, to complete the project; and

(d) the tentative year of completion of the project?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) Yes, Sir.

(b) The amount allocated is approximately Rs. 300 crs. and an expenditure of Rs. 33.80 crs. has been incurred upto 30.6.97.

(c) Rs. 266.20 crs. more.

(d) Subject to availability of funds, 8 block sections will be completed in 1998-99. the entire work is planned to be completed progressively within the 9th plan period.

[12.00 NOON]

PAPERS LAID ON THE TABLE

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, Papers to be laid. Shri S.R. Bommai.

I. Report and Accounts (1989-90) of the Asiatic Society Calcutta and related papers.

II. Report and Accounts (1990-91) of the Asiatic Society Calcutta and related papers.

III. Report and Accounts (1985-96) of the Sahitya Akademi, New Delhi and related papers.

IV. Report and Accounts (1995-96) of the National Council of Science Museums, Calcutta and related papers.

V. Report and Accounts (1995-96) of the National School of Drama, New Delhi and related papers.

VI. Report and Accounts (1994-95) of the Rashtriya Mahila Kosh, New Delhi and related papers.

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S. R. BOMMAI) Madam, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

I. (a) Annual Report of the Asiatic Society, Calcutta, for the year 1989-90.

(b) Annual Accounts of the Asiatic Society, Calcutta, for the year 1989-90, and the Audit Report thereon.

(c) Review by Government on the working of the above Society.